मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023
एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) फिर भी मैं चाहता हूँ मन्दिर में प्रवेश
और बनना पुजारी
हाँ-हाँ मैं पुजारी बनना चाहता हूँ
देव-दर्शन के लिए नहीं
पूजन-अर्चन के लिए नहीं कि-
देव-मूर्ति के सानिध्य में रहकर
एक मानव कैसे बन जाता है
पाषण-हृदय अमानव ?

(ख) गुमसुम सी, अपने में खोई हुई
घर से गए
अपने आदमी के लौटने की
मीठी कल्पना सीने से लगाए
दरवाजे की ओर आँखें बिछाए
पिछले एक दिन और एक रात से
इंतजार कर रही है।
यही सच है।

2. 'आज का रैदास' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10
3. हिन्दी दलित कहानी के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकारों पर प्रकाश डालिए। 10
4. 'आमने-सामने' कहानी में चित्रित दलित अस्मिता के विभिन्न आयामों की विवेचना कीजिए। 10
5. 'जूठन' की मूल-संवेदना की समीक्षा कीजिए। 10
6. दलित स्त्री की आत्मकथाओं पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10
7. 'अंगारा' कहानी में अभिव्यक्त दलित चेतना का उल्लेख कीजिए। 10
8. 'सुमंगली' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए। 10